M.Ed- IV Sem

PAGE NO. Abha
DATE: 9/11/20

राष्ट्रीय शैक्षिक योजना एवं प्रशासन विश्वविद्यालय (NUEPA)

National University of Education Planing and Administration (NUEPA)

शैक्षिक योजना और प्रशासन के क्षेत्र मे कान्द्रिय मानव संसाधन विकास मन्त्रालय द्वारा स्थापित भारत ही नही दक्षिण एशिया का प्रमुख संगठन है।
जो शैक्षिक योजना एवं प्रशासन के क्षेत्र मे इसके द्वारा किया जा रहा है जिसको देखते हुए भारत सरकार ने अगस्त २००६ मे इसका उन्नयन करके मानद विश्व विद्यालय का दर्जा प्रदान किया ताकि यह स्वंय उपाधि प्रदान कर सके।
अन्य केन्द्रीय विश्वविद्यालयो के समान न्यूपा भारत सरकार द्वारा पूर्णतः वित्तपोषित है।

स्थापना - 1962
स्थान - नई दिल्ली
सम्बद्धतायं UGC

आरम्भ में न्यूपा की स्थापना 1962 मे एशिया तथा प्रशान्त क्षेत्र के शैक्षिक क्षेत्र के शैक्षिक

PAGE NO.
DATE :

राष्ट्रीय माध्यमिक शिक्षा अभियान
- RMSA -

माध्यमिक शिक्षा को मजबूत बनाने के उद्देश्य से राष्ट्रीय माध्यमिक शिक्षा अभियान का गठन किया गया।
इसको मार्च 2009 में शुरू किया गया था। सभी के लिए एक कुशल विकास और स्वतंत्रता के लिए शर्तें प्रदान करने के लिए योजना का कार्यान्वयन 2009-2010 से शुरू हुआ है इस योजना में एक बहुआयामी अनुसंधान, तकनीकि परामर्श, विभिन्न कार्यान्वयन और धन सहायता शामिल है।
मुख्य उद्देश्य माध्यमिक शिक्षा की गुणवत्ता को बढ़ाना और कुल नामांकन दर को 52% (2005-2006) के अनुसार से पांच वर्षों में 75% तक बढ़ाना है अर्थात 2009-2014 से इसका उद्देश्य 15-16 वर्ष के आयु के सभी बच्चों के लिए सार्वभौमिक शिक्षा प्रदान करना, केन्द्रीय मन्त्रालय से धन राज्य सरकारों के माध्यम से प्रदान किया जाता है। जो अलग अलग

PAGE NO.
DATE :

कार्यान्वयन एजेंसियों की स्थापना करते हैं।

Date 24/11/20

माध्यमिक शिक्षा के लिए योजना

शिक्षा पर राष्ट्रीय नीति →

NPE

1986 की शुरुआत के बाद से नौवी योजना अवधि के तहत माध्यमिक और उच्च माध्यमिक विद्यालय प्रणालियों की संरचना और संगठन में कोई बड़ा बदलाव नहीं किया।

⇒ इस योजना में ध्यान देने के विभिन्न असमानताओं को कम करने पर था पाठ्यक्रम को महत्व देने को नवीनीकृत करने पर था। व्यवसायीकरण और रोजगार उन्मुख पाठ्यक्रमों। यह खुली शिक्षा प्रणाली, शिक्षक प्रशिक्षण और I.C.T. के विस्तार और विविधता को महत्व देता है। लड़कियों के लिए मुफ्त शिक्षा व छात्रावास की व्यवस्था और विकलांग बच्चों के लिए एकीकृत शिक्षा भी उजागर किया गया है।

निजी क्षेत्रो की भागीदारी

गैर सरकारी संगठनो (N.G.O) सहित निजी क्षेत्र की बढी हुई भागीदारी थी। वर्तमान में ये निजी क्षेत्र लगभग 5%. माध्यमिक स्कूलो और 58% उच्चतर माध्यमिक स्कूलो का प्रबन्धन करते है।

- उन बच्चो के लिए अवसर प्रदान किये जाय जो सम्पर्क केन्द्रो और मल्टी मीडिया पैकेजो का उपयोग करके राष्ट्रीय व राज्य मुक्त स्कूलो के माध्यम से औपचारिक शिक्षा प्रणालियों मे खुद को नामांकित नामांकित करने मे सक्षम नही थे
- इसने केन्द्र सरकार से वित्तीय सहायता के साथ विशेष रूप से पर्यावरण शिक्षा विज्ञान गणित और कम्प्यूटर साक्षात्कार और शिक्षा की गुणवत्ता पर अत्यधिक सुधार पर जोर दिया

संशोधित NPE नीति 1992 के बाद पाठ्यक्रम मे संशोधन, मूल्य शिक्षा के लिए संधान केन्द्र व कम्प्यूटर सहायता प्राप्त शिक्षा के लिए राष्ट्रीय केन्द्र आदि जैसी नई पहल की गयी।

PAGE NO.
DATE :
Abha

विशेष आवश्यकता वाले बच्चो के लिए शिक्षा

विकलांगता अधिनियम, 1995 के साथ व्यक्तियों के अधिनियम के साथ CWSN के लिए शिक्षाने ने प्रेरणा प्राप्त की यह अधिनियम कुछ सरकारो और अधिकारियो को शिक्षा के प्रति इन बच्चो के लिए मुफ्त पहुंच के प्रावधान के लिए कुछ उद्देश्यो के लिए भूमि आवंटित परिवहन मे गैर भेदभाव उनके लिए अनुसन्धान के वित्तीय प्रोत्साहन आदि प्रदान करता है।

इस योजना ने इन बच्चो की खातिर शिक्षको के बीच व्यवहार मे परिवर्तन व क्षमता निर्माण के कार्यक्रम भी शुरू किये।

योजनाकारों के प्रशासकों और पर्यवेक्षकों के प्रशिक्षण के लिए एशिया क्षेत्र के यूनेस्को केन्द्र के रूप में की गई थी जिसे 1965 में एशियाई शैक्षिक योजना एवं प्रशासन संस्थान बना दिया गया इसके 4 वर्ष बाद भारत सरकार ने इसका अधिग्रहण कर लिया और इसका नाम "राष्ट्रीय शैक्षिक योजना एवं प्रशासक कालेज की बढ़ती भूमिकाओं और कार्य कलापों, विशेषकर क्षमता विकास, शोध और सरकारों को दी जा रही व्यावसायिक समर्थन कारी सेवाओं को ध्यान में रखते हुए 1979 में पुनः इसका नाम बदलकर "राष्ट्रीय शैक्षिक योजना एवं प्रशासन संस्थान नीपा कर दिया गया।

राष्ट्रीय शैक्षिक योजना एवं प्रशासन ~~संस्थान~~ विश्वविद्यालय (न्यूपा) में 10 विभाग हैं। इसमें प्रतिष्ठित बहुशास्त्रीय संकाय है विश्वविद्यालय का पुस्तकालय बहुत समृद्ध है। इसमें शैक्षिक योजना एवं प्रशासन से सम्बन्धित महत्वपूर्ण पुस्तके राष्ट्रीय और अन्तर्राष्ट्रीय जर्नल और सरकारी दस्तावेज उपलब्ध है।

PAGE NO.
DATE :

विश्वविद्यालय अपने बहुआयामी गतिविधियों के अलावा शिक्षा नीति योजना और प्रशासन के क्षेत्र में अन्तर शास्त्रीय समाजविज्ञान के परिप्रेक्ष्य मे एम०फिल०, पी०एच०डी० और अंशकालिक पी०एच०डी० पाठ्यक्रम भी संचालित करता है।

न्यूपा के शोध कार्यक्रम मे राष्ट्रीय और अन्तर्राष्ट्रीय दृष्टिकोण से शिक्षा के सभी स्तरो और प्रकारो को शामिल किया जाता है।